Journal Homepage: www.ijarpr.com ISSN: 3049-0103 (Online)

International Journal of Advance Research Publication and Reviews

Vol 03, Issue 9, pp 496-500, September, 2026

उपलब्धि के पूर्वानुमान में संवेगात्मक बुद्धि की भूमिका का अध्ययन

सुरभि*, प्रो.कृष्ण कुमार सिंह**

रिसर्च स्कॉलर पी-एच.डी.(शिक्षा संकाय)डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, उ.प्र., भारत *
प्रो.कृष्ण कुमार सिंह.(शिक्षा संकाय)रामनगर पी.जी.कालेज रामनगर,बाराबंकी ,उ.प्र., भारत **

सारांश :

संवेगात्मक बुद्धि व्यक्तिगत और अन्यों के संदर्भ में स्व जागरूकता, स्वयं नियमन ,व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारण,अनुकूलनशीलता और समस्या समाधान जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं को विकसित करने में सहायक होती है। यह क्षमताएं व्यक्तियों के समग्र विकास और शैक्षिक उपलब्धि को उन्नत बनाने में अत्यंत ही सहायक सिद्ध होती हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध की जांच करना है जिसमें विद्यालय के प्रकार(उत्तर प्रदेश बोर्ड व सी.बी.एस.ई बोर्ड) और लिंग के प्रभाव पर प्रमुखता ध्यान दिया गया है। प्रदत्त संकलन हेतु डॉ. शुभ्रामंगल द्वारा निर्मित संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी का उपयोग किया गया है। प्रतिदर्श में हरदोई जनपद के सी.बी.एस.ई बोर्ड व उत्तर प्रदेश बोर्ड के उच्च माध्यमिक विद्यालयों से यादृच्छिक विधि द्वारा 80 छात्र एवं 80 छात्राओं को चयनित किया गया था। सांख्यिकी विश्लेषण के लिए कार्ल पियर्सन सहसंबंध गुणांक व बहु रैखिक प्रतिगमन विश्लेषण का उपयोग संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध की सार्थकता सिद्ध करने के लिए किया गया था। परिणामस्वरूप संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सकारात्मक सहसंबंध प्राप्त हुआ जिसमें सी.बी.एस.ई बोर्ड ने उत्तर प्रदेश बोर्ड के छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित किया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने छात्राओं की तुलना में संवेगात्मक बुद्धि और उपलब्धि के बीच उच्च सहसंबंध प्रदर्शित किया। बहु प्रतिगमन विश्लेषण विधि से संवेगात्मक बुद्धि शैक्षिक उपलब्धि को महत्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करती पाई गई। जिसमें विद्यालय के प्रकार सी.बी.एस.ई या उत्तर प्रदेश बोर्ड और लिंग दोनों संयुक्त रूप से योगदान प्रदान करते हैं। निष्कर्षों द्वारा यह ज्ञात होता है कि संवेगात्मक बुद्धि शैक्षणिक सफलता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिसमें सी.बी.एस.ई बोर्ड के छात्र और छात्राओं ने इन चरों के बीच अपेक्षाकृत मजबूत सहसंबंध प्रदर्शित किया । प्रस्तुत अध्ययन छात्रों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए सजग करने ,आत्म चिंतन करने और वातावरण अनुकूलित शिक्षण रणनीतियों को बढ़ावा देने में संवेगात्मक बुद्धि के महत्व को प्रदर्शित करता है। शोध अध्ययन संवेगात्मक विकास और उसके फलस्वरुप प्रदर्शित शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने वाली नवीन शिक्षण रणनीतियों को एकीकृत करने की आवश्यकता पर भी केंद्रित है ।

मुख्य शब्द- संवेगात्मक बुद्धि , शैक्षिक उपलब्धि, विद्यालय बोर्ड ,लिंग ।

शिक्षा व्यक्तिगत विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जिसके द्वारा वह व्यक्तिगत और व्यावसायिक कौशलों और ज्ञान से परिपूर्ण करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थी के समग्र विकास के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता के मापदंडों में एक परिवर्तनकारी बदलाव दृष्टिगत हुए जिससे वह बच्चों के शारीरिक, मानसिक,सामाजिक, संवेगात्मक, आध्यात्मिक , बौद्धिक और शैक्षिक आयाम के विकास को समाहित किए हुए हैं । शिक्षा का मूल उद्देश्य विद्यार्थी को 21वीं सदी के कौशलों से परिपूर्ण करना है ।

संवेगात्मक बुद्धि

संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य व्यक्ति की उस क्षमता से है जिसके द्वारा वह अपने संवेगों एवं भावनाओं को पहचाननें, समझनें, नियंत्रित करनें तथा उनका उचित दिशा में उपयोग करनें के साथ-साथ दूसरों के संवेगों एवं भावनाओं को समझकर उनके साथ प्रभावपूर्ण ढंग से समायोजनपूर्ण व्यवहार करता है। यह व्यक्ति को विभिन्न परिस्थितियों में भावनात्मक संतुलन बनाए रखनें, उचित निर्णय लेने, प्रभावपूर्ण ढंग से समस्याओं का सामना करने तथा दूसरों के साथ सकारात्मक सामाजिक संबंध स्थापित करने में सहायता करती है।

शैक्षिक उपलब्धि

शैक्षिक उपलब्धि से आशय किसी विद्यार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अर्जित ज्ञान से है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के प्रभाव पर दृष्टिपात करें तो यह ज्ञात होता है कि उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाला शिक्षक विद्यार्थियों की भावनाओं, आवश्यकताओं और व्यक्तिगत विभिन्नताओं को बेहतर ढंग से समझ कर शिक्षक कक्षा में धैर्य, सहानुभूति, आत्म-नियंत्रण और सकारात्मक व्यवहार प्रदर्शित करने में सफल होता है। इससे विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सहयोगात्मक कक्षागत वातावरण सहजता से प्राप्त होता है। जिससे शैक्षिक उपलब्धि को

बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो सकता है। यह व्यक्तिगत और शैक्षिक विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं को प्रभावित भी करती है इसलिए इसकी महता को पहचानते हुए शोधकत्री ने संवेगात्मक बुद्धि और लिंग तथा विद्यालय के प्रकार आदि के बीच सहसंबंध को चयनित किया था कि शैक्षिक उपलब्धि में इसकी भूमिका की पहचान की जा सके।

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किए गए-

(1) विद्यालय बोर्ड के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना ।

(2) लिंग के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि व शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना ।

(3) उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के पूर्वानुमान में संवेगात्मक बुद्धि की भूमिका का अध्ययन करना ।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाएं

(1) विद्यालय के बोर्ड के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है ।

(2) लिंग के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है ।

(3) लिंग और विद्यालय बोर्ड जैसे कारकों के साथ संवेगात्मक बुद्धि, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का सार्थक पूर्वानुमान नहीं करती है ।

शोध अध्ययन की सीमाएं

शोध अध्ययन हरदोई जनपद के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्र व छात्राओ तक ही सीमित रखा गया है।

शोध अध्ययन 160 विद्यार्थियों तक ही सीमित रखा गया है।

यह शोध अध्ययन हरदोई जनपद के विद्यालय बोर्ड के अंतर्गत केवल चार सी.बी.एस.ई बोर्ड और चार उत्तर प्रदेश बोर्ड के विद्यालयों को सम्मिलित किया गया है ।

संबंधित साहित्य सर्वेक्षण

देव, कपिल. और कुलदीप.(2022**).** ने उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि में लैंगिक अंतर का अध्ययन किया । उन्होंने संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी का उपयोग करते हुए यह पाया कि विभिन्न कारकों में भिन्नताओं के साथ छात्र संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि दोनों में छात्राओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हैं ।

फिनलायसन (1970) नें अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि, संवेगात्मक नियंत्रण और सामाजिक स्वीकृति के बीच नकारात्मक संबंध पाया।

गार्सिया, मार्टनेज. एल, पेरेज- नेवियो,पेरेज फेरा,एम. और क्विजन लोपेज, आर.(2021) नें संवेगात्मक बुद्धि, शैक्षिक उपलब्धि और सेवा पूर्व शिक्षकों के शैक्षणिक तनाव के बीच संबंध पर शोध किया। जिसमें अंडालूसा विश्वविद्यालय (स्पेन) में नामांकित विश्वविद्यालय के 1020 सेवा पूर्व शिक्षकों का नमूना प्राप्त किया। निष्कर्ष से पता चला कि संवेगात्मक बुद्धि, शैक्षणिक तनाव और शैक्षिक उपलब्धि के मामले में महिलाओं ने पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन किया।

गस्टर(1962**), फार्ड(**1979**) और लर्नड एंड मुलर (**1979**)** द्वारा कृत अनुसंधान कार्य में शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक नियंत्रण के मध्य नकारात्मक संबंध पाया गया था।

शोध अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है ।

चर

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्न चरों का प्रयोग किया गया है

स्वतंत्र चर -संवेगात्मक बुद्धि ,लिंग, विद्यालय बोर्ड

आश्रित चर- शैक्षिक उपलब्धि

न्यायदर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए जनसंख्या के अंतर्गत हरदोई जनपद के समस्त सी.बी.एस.ई बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश बोर्ड के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत सभी विद्यार्थी शामिल हैं। जिनमें से 4 सी.बी.एस.ई. बोर्ड तथा 4 उत्तर प्रदेश बोर्ड से कुल 160 विद्यार्थियों को सरल यादृच्छिक विधि द्वारा न्यायदर्श के रूप में चयनित किया गया है जिनमें से प्रत्येक विद्यालय से 20 छात्र एवं छात्राओं को लिया गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकत्री ने डॉ.एस के मंगल और शुभ्रा मंगल द्वारा रचित संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी का उपयोग किया है जो निम्नलिखित चार आयाम पर आधारित है -

- स्वयं तथा दूसरों के बारे में जागरूकता
- व्यावसायिक अभिविन्यास
- अतः व्यैक्तिक प्रबंधन
- अंतर वैयक्तिक प्रबंधन

प्रयुक्त सांख्यिकी विधि

कार्ल पियर्सन सहसंबंध

बहु रेखीय प्रतिगमन

परिणाम का विश्लेषण और व्याख्या

विद्यालय बोर्ड के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच सहसंबंध का विश्लेषण

उद्देश्य 1- विद्यालय बोर्ड के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पना 1- विद्यालय बोर्ड के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है

तालिका 1 विद्यालय बोर्ड के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच सहसंबंध तालिका

चर	संवेगात्मक बुद्धि			
शैक्षिक उपलब्धि	समूह	श्रेणी	R	सार्थकता स्तर
	बोर्ड	C.B.S.E.	0.426	<0.0001
		U.P.	0.327	0.005
	कुल संवेगात्मक बुद्धि		0.384	0.0001

****Significant at 0.05**

विद्यालय बोर्ड के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच से संबंध प्रदर्शित करती है सी.बी.एस.ई बोर्ड के लिए सहसंबंध गुणांक 0.426 है जिसका पी- मान 0.0001 है। यह सी.बी.एस.ई बोर्ड के उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच मध्यम सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करता है जो सांख्यिकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है इससे यह पता चलता है कि जैसे-जैसे संवेगात्मक बुद्धि बढ़ती है वैसे-वैसे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भी बढ़ोत्तरी होती जाती है।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश बोर्ड के छात्रों के लिए सह संबंध गुणांक 0.327 है जिसका पी-मान 0.005 है जो सांख्यिकी रूप से महत्वपूर्ण स्तर पर मध्यम सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करता है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि उत्तर प्रदेश बोर्ड के विद्यार्थियों में भी संवेगात्मक बुद्धि में वृद्धि होने से शैक्षिक उपलब्धि में भी बढ़ोतरी होती पाई गई । जब सी.बी.एस.ई. बोर्ड और उत्तर प्रदेश बोर्ड दोनों के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन किया गया तो सहसंबंध गुणांक 0.384 आया और पी- मान 0.0001 है जो सांख्यिकी रूप से महत्वपूर्ण स्तर पर संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच मध्य सकारात्मक सहसंबंध की पुष्टि होती है। इससे यह संकेत मिलता है कि स्कूल बोर्ड चाहे कोई भी हो उच्च संवेगात्मक बुद्धि से शैक्षिक उपलब्धि भी जुड़ी होती है । इसके अलावा सी.बी.एस.ई बोर्ड के छात्रों के लिए संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध उत्तर प्रदेश बोर्ड के विद्यार्थियों की तुलना में अधिक है, जैसा की सी.बी.एस.ई बोर्ड के लिए उच्च सहसंबंध गुणांक में परिलक्षित होता पाया गया । अतः परिकल्पना विद्यालय बोर्ड के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है अस्वीकृति की जाती है ।

लिंग के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच सहसंबंध का विश्लेषण

उद्देश्य 2- लिंग के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना ।

परिकल्पना 2- लिंग के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है ।

तालिका 2- लिंग के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच सहसंबंध

चर	संवेगात्मक बुद्धि			
शैक्षिक उपलब्धि	समूह	श्रेणी	r	सार्थकता स्तर
	लिंग	महिला	0.256	0.001
		पुरुष	0.314	<0.0001
	कुल संवेगात्मक बुद्धि		0.295	0.0001

****Significant at 0.05**

तालिका में लिंग के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच सहसंबंध को प्रदर्शित किया गया है जिसमें छात्राओं के लिए सहसंबंध गुणांक 0.256 व पी- मान 0.001 है जो यह दर्शाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं में संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच मध्य सकारात्मक सहसंबंध है जो सांख्यिकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है । इससे पता चलता है कि जैसे-जैसे संवेगात्मक बुद्धि में बढ़ोतरी होती है छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती जाती है। छात्रों के लिए सहसंबंध गुणांक 0.314 और पी- मान < 0.0001 है जो सांख्यिकी रूप से महत्वपूर्ण स्तर पर संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करता है । इससे

यह निष्कर्ष निकलता है कि छात्रों में उच्च संवेगात्मक बुद्धि उच्च शैक्षिक उपलब्धि से जुड़ी पाई गई । जब लिंग के आधार पर दोनों के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन किया गया तो सहसंबंध गुणांक 0.295 प्राप्त हुआ और पी-मान 0.0001 जो सांख्यिकी रूप से महत्वपूर्ण स्तर पर संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सकारात्मक सहसंबंध को प्रदर्शित करता है । इससे यह संकेत मिलता है कि लिंग की परवाह किए बिना उच्च संवेगात्मक बुद्धि वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि भी बेहतर पाई गई। इसके अतिरिक्त संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध छात्राओं की तुलना में छात्रों में अधिक है । जैसा कि छात्रों के सहसंबंध गुणांक से स्पष्ट होता है ।

अतः परिकल्पना लिंग के संदर्भ में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और संवेगात्मक बुद्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण सहसंबंध नहीं है को अस्वीकृत किया जाता है ।

उद्देश्य 3- माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के पूर्वानुमान में संवेगात्मक बुद्धि की भूमिका का अध्ययन करना ।

परिकल्पना 3- विद्यालय के बोर्ड जैसे कारकों के साथ संवेगात्मक बुद्धि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का सार्थक पूर्वानुमान नहीं करती है

स्वतंत्र चरों पर शैक्षिक उपलब्धि का बहु रैखिक प्रतिगमन विश्लेषण

R	R.R	F	p	सार्थकता स्तर
0.57	0.29	24.5	43.1	p<0.001

चर	अमानकी कृत गुणांक	मानक त्रुटि	मनकी कृत गुणांक	t	p
सतत	47.411	6.35		7.45	<0.001
ईमोशनल इन्टेलिजन्स	0.185	0.049	0.249	3.74	<0.001
लिंग	4.223	1.48	5.68	2.84	0.005
बोर्ड	9.723	1.482	13.09	6.55	<0.001

****Significant at 0.05**

मल्टीपल रिग्रेशन आर का मान 0.57 है मल्टीपल रिग्रेशन आश्रित चर के प्रेक्षित और आनुमानिक मान के बीच सहसंबंध को मापता है 0.55 का मान शैक्षिक उपलब्धि(आश्रित चर) तथा लिंग और विद्यालय बोर्ड (स्वतंत्र चर) के बीच मध्य सकारात्मक सहसंबंध प्रदर्शित करता है। इससे पता चलता है कि शैक्षिक उपलब्धि का स्वतंत्र चरों के साथ मध्य सकारात्मक सहसंबंध है। R.R का मान 0.29 है जिसका तात्पर्य है कि शैक्षिक उपलब्धि में 29 % भिन्नता को प्रकट कर रहा है और शैक्षिक उपलब्धि की 71% भिन्नता अन्य संबंधित कारकों द्वारा प्रभावित हो रही है। एफ मान 24.5 है जो प्रदर्शित करता है कि कुल प्रतिगमन मॉडल डाटा के लिए सही है और चरों के बीच महत्वपूर्ण सहसंबंध पाया गया। पी-मान 43.1 है जो की सार्थकता स्तर p<0.001 है जो प्रदर्शित करता है कि मॉडल सांख्यिकी रूप से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।

परिणाम स्वरुप यह निष्कर्ष निकलता है कि स्वतंत्र चरों के लिए अमानकीकृत गुणांकों के आधार पर

* संवेगात्मक बुद्धि शैक्षिक उपलब्धि के साथ सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है।
* लिंग का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सकारात्मक सहसंबंध है जो दर्शाता है कि छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि स्कोर छात्रों की तुलना में अधिक है ।
* विद्यालय बोर्ड के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि के साथ सकारात्मक संबंध है जो दर्शाता है कि सी.बी.एस.ई बोर्ड की शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांक उत्तर प्रदेश बोर्ड की तुलना में अधिक है।

अतः प्रतिगमन समीकरण का उपयोग करके छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि की गणना की गई जिसमें मानकीकृत गुणांकों के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि प्राप्तांक क्रमशः विद्यालय बोर्ड ,लिंग संवेगात्मक बुद्धि का स्थान आता है। अतःपरिकल्पना "लिंग और विद्यालय बोर्ड जैसे कारकों के साथ संवेगात्मक बुद्धि, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का सार्थक पूर्वानुमान नहीं करती है" को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष

सांख्यिकी विश्लेषणोपरांत विद्यालय बोर्ड और लिंग के संदर्भ में शैक्षिक उपलब्धि पर संवेगात्मक बुद्धि की प्रभावशीलता का आकलन किया गया। विद्यालय बोर्ड और लिंग के संदर्भ में संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध कार्ल पियर्सन विधि द्वारा धनात्मक सहसंबंध प्रदर्शित होता है। सी.बी.एस.ई बोर्ड विद्यालय के उच्च माध्यमिक विद्यालय में उत्तर प्रदेश बोर्ड के छात्रों की तुलना में मजबूत सकारात्मक सहसंबंध पाया गया । लिंग के संदर्भ में पुरुषों में महिलाओं की तुलना में उच्च सहसंबंध पाया गया । उच्च संवेगात्मक बुद्धि का संबंध उच्च शैक्षिक उपलब्धि से है इसलिए संवेगात्मक विकास को बढ़ाने के लिए उपाय भी किए जाने चाहिए जिससे व्यक्तियों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा और शैक्षिक उपलब्धि में बढ़ोतरी होगी। छात्र एवं छात्राओं के बीच लिंग आधारित भेदभाव के कारण छात्रों में अधिक सहसंबंध पाया गया ।

शैक्षिक निहितार्थ

संवेगात्मक बुद्धि और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सकारात्मक संबंध यह दर्शाता है कि जिन छात्रों की संवेगात्मक बुद्धि प्रबल होती है उन छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि भी बेहतर पाई गई। मल्टीपल लीनियर रिग्रेशन ने स्वतंत्र चर (संवेगात्मक बुद्धि) और नियंत्रित चर विद्यालय बोर्ड (सी.बी.एस.ई और उत्तर प्रदेश) और लिंग (महिला एवं पुरुष) के प्रभाव में शैक्षिक उपलब्धि आश्रित चर (शैक्षिक उपलब्धि) में भिन्नता को प्रभावपूर्ण ढंग से स्पष्ट किया जो अपेक्षाकृत अधिक सहसंबंध का सुझाव प्रस्तुत करता है।

सुझाव

शिक्षकों को ऐसी शिक्षण रणनीतियों को अपनाने में सहायता प्राप्त होगी जो संवेगात्मक बुद्धि को बढ़ाने के साथ-साथ शैक्षिक उपलब्धि को भी बेहतर बनाएगी।

विद्यार्थियों को 21वीं सदी के कौशलों से परिपूर्ण कर सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होने के साथ ही अपनी रुचि के अनुकूल विषयों मे दक्षता प्राप्त कर सकेगा ।

विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता अर्जन में संवेगात्मक बुद्धि की अति महत्वपूर्ण भूमिका को और अधिक अच्छे ढंग से समझने में सहायता प्राप्त होगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

- अग्रवाल, जे. सी. (2002). *एजुकेशनल रिसर्च इन इंट्रोडक्शन.* नई दिल्ली: आर्य बुक डिपो ।
- भटनागर, ए.बी. और भटनागर, मीनाक्षी.(2003*). एजुकेशनल साइकोलॉजी.* मेरठ: आर. लाल. बुक डिपो ।
- भटनागर, सुरेश.(2005). *शिक्षण अधिगम व विकास का मनोविज्ञान.* मेरठ: इंटरनेशनल पब्लिकेशन ।
- बुच,एम.बी.(1987). *थर्ड सर्वे आफ रिसर्च इन एजुकेशन एन.सी.ई.आर.टी.,* नई दिल्ली ।
- कवोजोवा, व्लादिमिरा. मिकूसकोवा, इवा. बलोवा **(**2015). डज इंटेलिजेंस प्रिडिक्ट एकेडमिक अचीवमेंट ? टू केस स्टडीज. *प्रोसेडिया- सोशल एंड बिहेवियरल साइंस* ,174, 3462-3469
- चौहान ,धीरेंद्र. सिंह.एवं द्विवेदी, संतोष कुमार. (2023). रीवा जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध का अध्ययन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ लिटरेसी एंड एजुकेशन* ,3(2), 94- 97
- देव, के. और कुलदीप.(2022). *जेंडर डिफरेंस इन अकादमिक अचीवमेंट एंड इमोशनल इंटेलिजेंस ऑफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स.* स्पेशल एजुकेशन, 2(43), 1921
- शर्मा, आर. ए. (2008). शिक्षा अनुसंधान. मेरठ:आर लाल बुक डिपो
- सिंह, नागेंद्र. प्रताप. एवं श्रीवास्तव, अखिलेश. कुमार. (2021). सतना जिले में उच्चतर माध्यमिक स्तर की किशोर बालिकाओं के संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल आफ अप्लाइड रिसर्च*, 7(6) ,175-178